मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, مولانا آزاد نیشنل اُردو یونیورسٹی

MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY, HYDERABAD

M.A. HINDI 1st SEMESTER, DECEMBER, 2015

एम.ए. (हिन्दी), प्रथम सत्र परीक्षा, दिसम्बर, 2015

पाठचर्या : I

विषय :- आधुनिक हिन्दी काव्य (भाग -1, 1936 तक)

907

TIME: 3 HOURS TOTAL MARKS: 70

सूचना:- निम्न लिखित सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है और अंक समान हैं। 7 X 10 = 70

खंड-क

I. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

1. किधर वह बन है, जिस में राम प्यारा।
अयोद्या छोड़कर सूना सिधारा।
गई संग में जनक की जो लली है,
इसीमें मुझको और बेकली है।
कहेंगे क्या जनक यह हाल सुनकर।
कहाँ सीता कहाँ वन बन भयंकर।

अथवा

विरह संग अभिसार भी,
भार जहां आभार भी,
मैं पिंजड़े में पड़ी हूँ, किन्तु खुला हैं द्वार भी,
काल कठिन क्यों न हो, किन्तु है मेरे लिए उदार भी।
जहां विरह ने गार दिया है, किया वहाँ उपकार भी।
सुध बुध हर ली किन्तु दिया है कालज्ञान विचार भी।

2. लौटे युग दल राक्षस पतदल पृथ्वी टलमल,
बिंध महोल्लास से बार-बार आकाश विकल।
वानर वाहिनी खिन्न, लख निज-पति-चरण चिह्न,
चल रही शिविर की ओर स्थविर दल ज्यों विभिन्न।

अथवा

विश्व की दुर्बलता बल बने, पराजय का बढ़ता व्यापार,
हंसाता रहे उसे सविलास शक्ति का क्रीडामय संचार,
शक्ति के विद्युतकण जो व्यस्त विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय,
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय।

3. पहली सा जीवन है व्यस्त,
उसे सुलझाने का अभियान।
बताता है विस्मृति का मार्ग,
चल रहा हू बनकर अंजान।।
भूलता ही जाता दिन-रात,
सजल अभिलाषा कलित अतीत।

अथवा

ऐसे क्षण अंधकार घन में जैसे विद्युत
जागो पृथ्वी-तनया-कुमारिका-छवि, अच्युत
देखते हुए निष्फलक, याद आया उपवन,
विदेह का, प्रथम स्नेह का लतांतराल मिलन,
नयनों का नयनों से गोपन प्रिय संभाषण,
पलकों का नव पलकों पर प्रथमोत्थान-पतन।

<u>खंड-ख</u>

II. निम्न लिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

4) " **दशरथ विलाप** " "कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

" **साकेत** " में व्यक्त संस्कृतिक चेतना को व्यक्त कीजीए।

5) कामायनी महाकाव्य के रूपक तत्वों की समीक्षा कीजिए।

अथवा

" **राम की शक्ति पूजा** " कविता के कथा विन्यास पर अपना विचार व्यक्त कीजिए।

6) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला का व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

" महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना प्रमुख है " इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

7) " **श्रद्धा** " सर्ग में श्रद्धा किस प्रकार मनु को प्रेरणा देती है - इस तत्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ऊर्वशी काव्य के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

@@@@@